● **मार्ग बताओ :**

१८. चलो– चलें

❑ चित्र का निरीक्षण कराएँ । चित्र में आए सांकेतिक चिह्नों का वाचन एवं परिचय कराएँ । विद्यार्थियों से गोलू-भोलू को मोटर से पेंग्विन के घर तक पहुँचाने वाले मार्ग को रेखांकित करने के लिए कहें । इसी प्रकार के अन्य सांकेतिक चिह्न बताने के लिए प्रेरित करें ।

* स्वयं अध्ययन *

*** चित्रवाचन करके अपने शब्दों में कहानी लिखो और उचित शीर्षक बताओ :**

१

आसमान में उड़ते ढेर सारे कबूतर ।
नीचे खड़ा बहेलिया ।

२

बहेलिए द्‌वारा जाल बिछाना, दाना बिखेरना ।

३

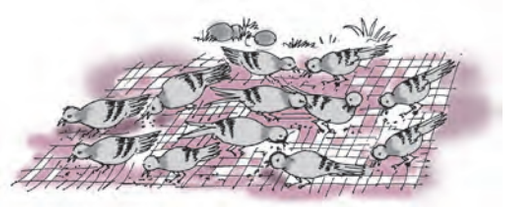

कबूतरों का दाना चुगना ।

४

कबूतरों का जाल में फँसना ।

५

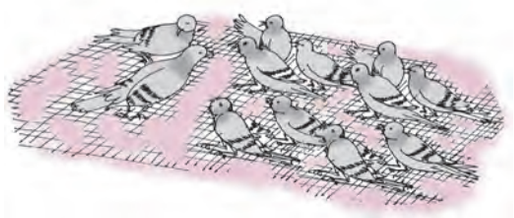

बुजुर्ग कबूतर द्‌वारा समझाना ।

६

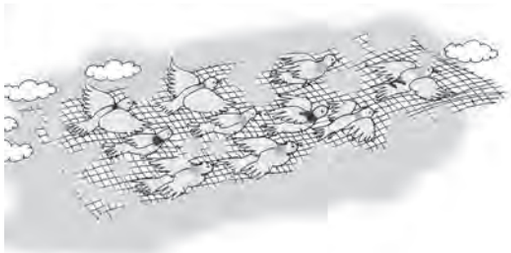

कबूतरों का जाल समेत उड़ना ।

७

हक्का-बक्का, दौड़ता हुआ बहेलिया ।

८

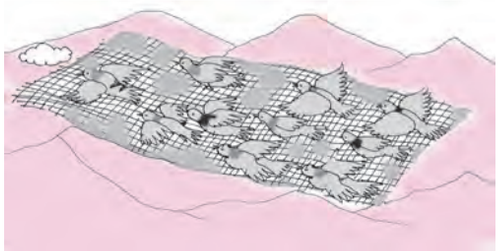

दूर पहाड़ों की खाई में कबूतरों का जाल समेत उतरना ।

९

स्वयं सोचो ।

१०

कबूतरों का मुक्त होकर उड़ना ।

* पुनरावर्तन– ३ *

१. अनुस्वारवाले (ं) शब्दों को सुनो, समझो और दोहराओ :

अङ्क–अंक, चञ्चल–चंचल, झण्डा–झंडा, सुन्दर–सुंदर, मुम्बई–मुंबई; टंकी, पंख, पतंग, कंघी, कंचा, पंछी, अंजीर, झंझावात, घंटी, कंठ, डंडा, पंढरपुर, संत, पंथ, बंदर, कंधा, पंप, गुंफन, कंबल, खंभा ।

२. रास्ते में घायल पक्षी को देखकर तुम्हारे मन में कौन–से भाव आते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो, समझो और मोटे अक्षरों में लिखित शब्दों पर चर्चा करो ।

(क) **मैं** पाँचवीं कक्षा **में** पढ़ रहा हूँ ।

(ख) मृणाल ने पूछा, "उदय ! **कहाँ** गए थे ?" उदय ने **कहा**, "मैं भोपाल गया था ।"

(ग) रौनक बिल्ली की **ओर** लपका **और** वह भाग गई ।

(घ) राजू खेल रहा **है** । उसके साथी बैठे **हैं** ।

(ङ) सोहन **की** बिल्ली इतनी प्यारी है **कि** सब उसे उठा लेते हैं ।

४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

ख आँ	र पै	न का	ठ हों
ज ग का	ट ना घु	र द बं	त र भा
ई र पा चा	व ली दी पा	ला शा ठ पा	वा ल री फु

५. वर्ण के अवयवों का उपयोग करते हुए अपने मन से चित्र बनाओ ।

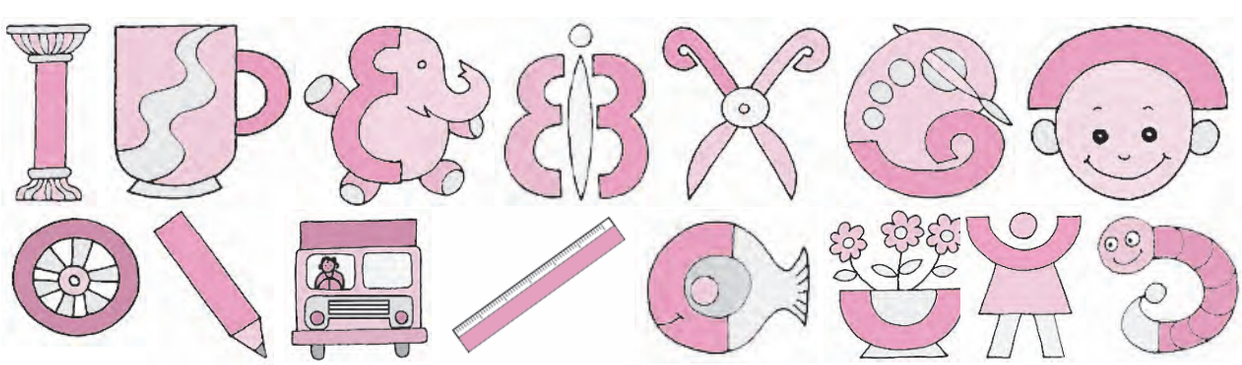

कृति/उपक्रम

विद्यालय में पहले दिन के अपने अनुभव सुनाओ ।	किसी समारोह के बारे में पाँच वाक्य बोलो ।	प्रति सप्ताह पंचतंत्र/ हितोपदेश की कहानियाँ पढ़ो ।	प्रति माह एक चित्र बनाकर उसका वर्णन दो–तीन वाक्यों में लिखो ।

* पुनरावर्तन– ४ *

१. सुनो और दोहराओ :

मैं	जा	रहा/ रही हूँ ।
हम		रहा/ रही है ।
तू		रहे हो/ रही हो ।
तुम		रहे हैं/रही हैं ।
आप		

यह	जा	रहा है/ रही है ।
ये		रहे हैं / रही हैं ।
वह		
वे		

२. तुम्हारे मित्र के पास कॉपी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं । तुम्हारी माँ ने मेला देखने के लिए तुम्हें तीस रुपये दिए हैं, इस स्थिति में तुम्हारे मन में कौन–से भाव जगते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो और समझो :

विद्यालय : जहाँ विद्यार्थी पढ़ते हैं । **खेल खेलने वाला :** खिलाड़ी ।

जादूगर : जादू दिखाने वाला । **सच बोलने वाला :** सत्यवादी ।

४. सिग्नल के चित्रों का वाचन करो और सिग्नल पार करते समय तुम क्या सावधानी बरतते हो, लिखो :

५. पढ़ाई करने के बाद भी तुम्हें परीक्षा से डर लग रहा है तो तुम क्या करोगे, बताओ :

(क) बड़ों से बातचीत करोगे । (ख) खेलने जाओगे । (ग) गाना सुनोगे अथवा गाओगे । (घ) आराम करोगे ।

कृति/उपक्रम

भारत की पाँच विशेषताएँ सुनाओ ।	परिसर में देखे हुए वृक्षों के नाम बताओ ।	प्रतिसप्ताह पुस्तकालय में तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ो ।	तुम्हें कौन–से खेल पसंद है और क्यों, लिखो ।

* शब्दार्थ *

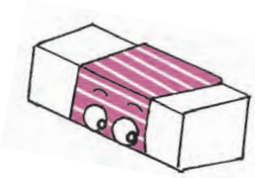

पहली इकाई

२. **बूँदें :** **शीतल** = ठंडा; **पपीहा** = चातक पक्षी; **हरषाना** = आनंदित/खुश होना; **पुरवाई** = पूरब से आने वाली हवा; **इठलाना** = इतराना; **मुसकाना** = हँसना ।

३. **योग्य चुनाव :** **इनाम** = पुरस्कार ।

९. **नीम :** **ओझा** = झाड़-फूँक करनेवाला; **वैद्य-हकीम** = चिकित्सक ।

१०. **गड़ा धन :** **अल्हड़पन** = मनमौजीपन; **झिझकना** = संकोच करना; **हताश** = निराश; **निराई**= खर-पतवार निकालने की क्रिया ।

११. **मित्रता :** **बुआ जी** = पिता जी की बहन, फूफी; **अस्पताल** = दवाखाना ।

१३. **पहचान हमारी – भाग २ :** **गुड़हल** = एक फूल; **सहिजन** = एक सब्जी; **अंबर** = आकाश ।

१४. **मैं सड़क हूँ :** **वर्दी** = गणवेश; **कोलतार** = डामर ।

दूसरी इकाई

२. **जीवन :** **विश्राम** = आराम; **अपनत्व** = अपनापन ।

३. **भाई-भाई का प्रेम :** **भाव-विभोर होना** = बहुत आनंदित होना ।

११. **वीरों को प्रणाम :** **आजादी** = स्वतंत्रता; **प्राणार्पण** = प्राणों का अर्पण, बलिदान; **आँखें भर आना** = आँसू आना ।

१२. **सपूत :** **बखान** = वर्णन; **धूम मचाना** = प्रसिद्धि पाना, शोर मचाना ; **बली** = बलवान; **मुकाबला** = प्रतियोगिता; **कपूत** = दुर्गुणी पुत्र; **पछाड़ना** = हरा देना; पीछे छोड़ देना; **चारों खाने चित होना** = पराजित होना ।

१६. **बचाव :** **पाटना** = गड्ढा भरना ।

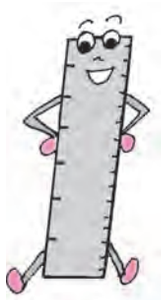

❊ शब्द पहेली ❊

❊ चित्रों को देखकर नीचे दी गई शब्द पहेली बूझो :

(एक अक्षर का एक से अधिक बार उपयोग कर सकते हैं ।)

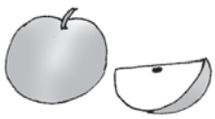

से	सं	सी	ह	आ	अं	ड़
सू	ब	गु	अ	दा	फ	द
मु	के	खी	सिं	न्ना	ड	बे
ची	म	प	त	जी	र	क
का	कू	ता	गें	रा	ज	लि
न	गा	ला	ल	या	गं	रू
धा	ना	पी	गू	नी	स	हा

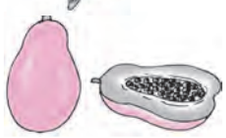

❊ उत्तर ❊

स्वयं अध्ययन – पृष्ठ २३ : १. स्पायडर मैन, २. पत्ता, पालक, पिचकारी, पीढ़ा, पुल, पूँछ, पृष्ठ, पेड़, पैसा, पोथी, पौधा,पंख, प्रातः, पाँच, पॉपकॉर्न ।

पुनरावर्तन – २, पृष्ठ क्र. २५, प्रश्न ४ : आम, पीपल, कमल, नीम, अंगूर, शमी, अशोक, गुलाब, इमली, बेल, केला, गुड़हल, नारियल ।

शब्द पहेली – पृष्ठ क्र. ५४, फूल : कमल, हरसिंगार, गुलाब, गुड़हल, डहलिया, रजनीगंधा, बेला, सूरजमुखी, सदाबहार । **फल :** केला, अमरूद, अनार, चीकू, अंगूर, सेब, पपीता, आम, अंजीर, संतरा, सीताफल, अनन्नास ।

● **लिखो, पढ़ो और सुनाओ :**

वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	अँ	ऑ
क	ख	ग	घ	ङ			
च	छ	ज	झ	ञ			
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़	
त	थ	द	ध	न			
प	फ	ब	भ	म			
य	र	ल	व				
श	ष	स	ह	ळ			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र				

१. वर्णमाला क्रम से सुनाओ ।

२. वर्णमाला लिखकर पढ़ो ।

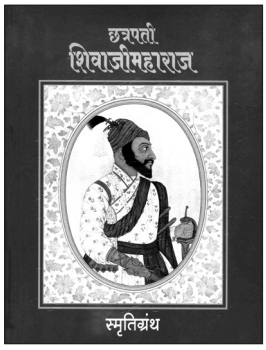

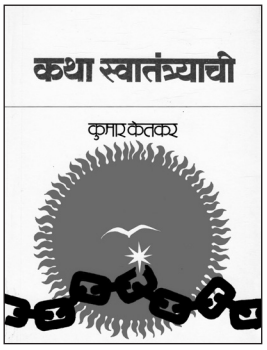

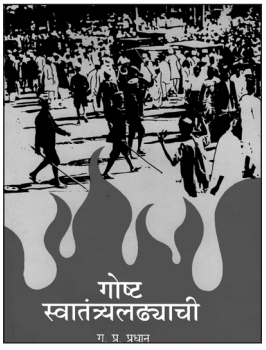

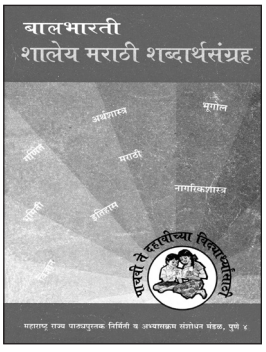

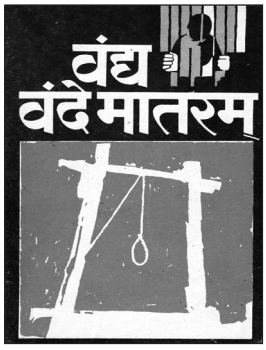

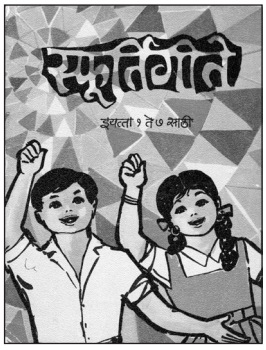

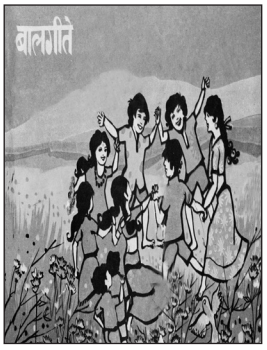

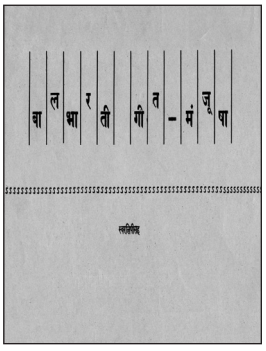

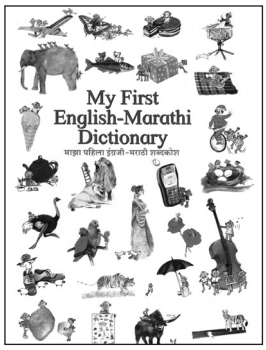

- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.

पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.

ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७१८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुलभभारती इयत्ता पाचवी

₹ २५.००